शिह्याः संचयन

Half yearly, Bilingual (हिन्दी & English) ISSN 0975 1254 (Print) ISSN 2249 9180 (Online)

Vol. 8, Issue 1, 15 January, 2017

An Internationally Indexed Refereed Research Journal
And a complete Periodical dedicated to
Humanities & Social Science Research

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा से सहयोग प्राप्त

मुख्य सम्पादक : डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

> सम्पादक : **डॉ. सुनीता सिंह**

कार्यकारी सम्पादक : डॉ. विपिन चन्द्र कौशिक डॉ. विकास मिश्रा

www.shodh.net

Contact us with;











Vol. 8, Issue 1, 15 January, 2017

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पर केन्द्रित अर्द्धवार्षिक शोध जर्नल

प्रकाशकीय कार्यालय:

B-9. द्वितीय तल, गगन अपार्टमेंट, गगन विहार एक्सटेंशन, दिल्ली, 51

E-mail: shodhsanchayan@gmail.com info@shodh.net

 $\mathit{URL}: www.shodh.net$

संपादकीय पत्र व्यवहार :

डॉ० सुनीता सिंह, संपादक 409, शांतिवन अपार्टमेन्ट 2A/244A, आजाद नगर कानपुर- 208002

सम्पर्क :+919415050808

मूल्य: रु0 150h/a-

SUBSCRIPTION FEE OF JOURNAL

Individual:						
	One Year	ThreeYear	Five Year	Life*		
Rs.	Not Available	800	1400	3000		
US\$	15	30	60	200		

Institutional:						
	One Year	ThreeYear	Five Year	Life*		
Rs.	400	1100	1800	4000		
US\$	25	50	100	300		

Bank Draft or Crossed Cheque (CBSB Branches for out station cheque) accepted in Favour of "**Shodh Sanchyan**" payable at **Kanpur**. Overseas subscribers can subscribe by electronic transfer. For detail visit **www.shodh.net.** Excluding Postage.

*Subscription fee may be revised according to Editorial Board Decision. Life subscription is for ten years or servival of the journal, which is less. Postage charge excluded.

नोट : प्रकाशित आलेखों के विचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। समस्त वाद क्षेत्र कानपुर होगा।

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक डाँ० सुनीता सिंह द्वारा शिवा प्रिंटिंग वर्क्स, A-21/11 नारायणा इण्डस्ट्रियल एरिया, फेस-II नई दिल्ली, 98 से मुद्रित कराकर B-9, द्वितीय तल, गगन अपार्टमेंट, गगन बिहार एक्सटेंसन, दिल्ली–51 से प्रकाशित

लिखकों से अनुरोध

शोध संचयन सामाजिक विषय एवं मानविकी का अर्द्धवार्षिक शोध-जर्नल है जिसमें उपरोक्त विषयों से संबंधित सभी उपविषयों के मौलिक शोध-पत्र, शोध समीक्षा, विचार, लेखों आदि का प्रकाशन किया जाता है। शोधकर्ता हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में अपने शोध पत्र भेज सकते है।

शोध पत्र भेजते समय कृपया निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दें:-

- शोध-पत्र अधिकतम 4000-5000 शब्दों तक में हो तथा 150 शब्दों का सार संक्षेप एवं विषय संकेतक (Key Words) भी प्रेषित करें। प्रचलित शब्दावली का व्यवहार अपेक्षित है।
- 2. संदर्भ ग्रन्थ सूची का उल्लेख अवश्य करें। संदर्भ ग्रन्थ सूची में लेखक का उपनाम, मुख्य नाम, पुस्तक का नाम, प्रकाशन का वर्ष एवं पृष्ठ संख्या अंकित होना चाहिए। पित्रका के संदर्भ में लेख का शीर्षक, पित्रका का नाम, अंक, पृष्ठ क्रम एवं प्रकाशन वर्ष दें।
- 3. शोध-पत्र A4 साइज के कागज पर कम्प्यूटर से एक तरफ मुद्रित हो।
- शोध-पत्र एम.एस. वर्ड अथवा पेज-मेकर पर हिन्दी में Krutidev 10 के Font size 12 तथा अंग्रेजी में Times New Roman में Font size 10 में टाइप करवाकर भेजें।
- ई-मेल द्वारा प्रपत्र भेजने पर भी आलेख तीन प्रतियों में (Hard Copy) तथा सीडी में अवश्य भेजें। जिससे प्रूफ रीडिंग सम्बन्धी किमयों को दूर किया जा सके।
- 6. शोध-पत्रों की स्वीकृति एवं अस्वीकृति का अन्तिम निर्णय सम्बन्धित विषय के दो विशेषज्ञों की राय से सम्पादक मण्डल द्वारा किया जाता है। इस संबंध में अन्तिम अधिकार प्रधान सम्पादक को प्राप्त है जो सभी सदस्यों को मान्य होगा
- 7. शोध-पत्र के प्रकाशन हेतु सम्पादक के नाम पत्र होना चाहिए, जिसमें स्पष्ट रूप से शोध-पत्र के संबंध में "मौलिक एवं अप्रकाशित" शब्द लिखा होना चाहिए और उसे अन्यत्र न भेजे जाने की पुष्टि हो। www.shodh.net से सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिनलिटी प्राप्त करें और लेख के साथ भरकर धेजें।
- शोध-पत्र में सारणी एवं चित्रें का प्रयोग लेख के बीच में न करते हुए अंत में संदर्भ या संलग्नक के रूप में करें।
- शोध-पत्र ई-मेल द्वारा हमारे ई-मेल पते पर और डाक द्वारा निम्न पते पर भेजे जा सकते हैं-

shodhsanchayan@gmail.com info@shodh.net

डॉ॰ सुनीता सिंह, संपादक शोध संचयन, 409, शान्तिवन अपार्टमेंट

2A/244A आजाद नगर, कानपुर-208002 (उ०प्र०)

अपने आलेख को लिखते समय कृपया ध्यान दें:-(शोध आलेख में होने वाली सामान्य त्रुटियाँ)

- आलेख में नई एवं मौलिक उद्भावनाओं/अवधारणा के प्रतिपादन का अभाव एवं पूर्व स्थापित अवधारणा/मान्यता, स्थापना आदि का पिष्टपेषण
- शोध आलेख का तार्किक एवं श्रृंखलाबद्ध न होना और शब्दजाल की अनावश्यक उपस्थिति।
- 3. संदर्भ साहित्य का अपर्याप्त अध्ययन।
- 4. त्रुटिपूर्ण तथ्यों एवं आँकड़ों का उल्लेख
- पाठ में उल्लिखित संदर्भ का लेख के अन्त में दी गयी संदर्भ सूची में न लिखा जाना
- 6. संदर्भ में पुस्तक के संस्करण का न लिखा जाना
- 7. पाठ में व्याकरणिक त्रुटियों का होना
- 9. वाक्य में काल का असंगत होना
- 10. प्रस्तुति में असंगतता
- 11. लेखक के द्वारा आलेख शुद्ध करते समय शब्द/पद/वाक्य का लोप हो जाना
- 12. लेख का अपेक्षाकृत बडा हो जाना
- 13. विषय प्रतिपादन में विषय का अस्पष्ट होना
- 14. तथ्यों, भावों या विचारों की पुनरावृत्ति

Abstract:-

The researchers must give Abstract of their papers/Articles. It must be concise, clear and perfect in itself and should not be the repetition of paragraphs given research papers.

शोध सारांश :-

अनुसंधाता द्वारा अपने शोध पत्र/शोध आलेख का आलेख सार (Research Article Abstract) अधिकतम 150 शब्दों में अवश्य दिया जाये। आलेख सार बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये कि वह अपने आप में संक्षिप्त, स्पष्ट एवं पूर्ण हो तथा मूल शोध आलेख के अनुच्छेदों की पुनरावृत्ति न हो।

Key Words :-

Keywords of research paper/article must be given at the beginning of the paper. It should not be in more than 5 words.

विषय संकेत :-

शोध पत्र/लेख के विषय का सम्पूर्ण परिचय प्रस्तुत करने वाले शब्दों को अवश्य दें। इनकी संख्या पाँच से अधिक नहीं होनी चाहिए।

Be Research Journalist

Be a Research Journalist and join us. Send research based News, information, reports and photographs of Seminars etc.

RESEARCH FLOURISHES THROUGH PUBLICATION & EFFICIENT ACADEMIC NETWORKING

CHIEF EDITOR:

Dr. Yogendra Pratap Singh

Dept. of Hindi, D.A-V. College, Kanpur **EDITOR**:

Dr. Sunita Singh

Dept. of M.Ed., V.S.S.D. College, Kanpur

ASSOCIATE EDITOR:

Dr. Pradeep Kumar Rao,

Principal, M.P. Degree College, Gorakhpur

Dr. Amit Kumar Dwivedi,

Entrepreneurship Development Institute of India(EDII), Gandi Nagar, Gujrat, Ex. Fellow, IIM, Ahmadabad

NEWS EDITOR:

Dr. A.K. Singh

Incharge, IIJMC, C.S.J.M. University, Kanpur

Dr. Ramesh Verma,

Senior Journalist, Dept. of Hindi, D.A-V. College, Kanpur

EXECUTIVE EDITOR:

Dr. Bipin Chandra Kaushik,

Dept. of Pol. Science, D.B.S. College, Kanpur

Dr. Vikas Mishra,

Dept. of B.Ed., Akbarpur Degree College, Akbarpur, Kanpur- Dehat

HINDI LANGUAGE EDITOR:

Dr. Vibha Singh,

Dept. of Hindi, D.A-V College, Kanpur

ENGLISH LANGUAGE EDITOR:

Dr. Suman Singh,

Dept. of English, P.P.N. College, Kanpur

TRANSLATION EDITOR:

Dr. Rajendra Prasad Pandey,

Dept. of Translation Studies, I.G.N.O.U., Dehli

CONVENER & CO-CONV. REVIEW COMMITTEE:

Dr. Raj Saran Shahi,

Dept. of Education, Budh P.G. College, Kushinagar

Dr. Jyoti Yadav,

Dept. of English, M.K.R. Gov.College, Ghaziabad.

ASSISTANT EDITOR

Mr. Nitesh Verma

Asst. Lib., Central Library, Baba Saheb Bheem Rao Ambedkar, Central University, Lucknow

EDITORIAL ADVISORY BOARD

Dr. Ram Chandra,

Dept. of Hindi, J.N.U., Delhi

Dr. Tribhuwan Singh,

Principal, B.A.D. College, Ballia

Dr. Lalit Singh,

Dept. of Humanities, Registrar, M.G.C.G. Vishwavidyalaya, Chitrakot, Satana

Dr. Pawan Agrawal,

Dept. of Hindi, Lucknow Univ., Lucknow

Dr. Sanjay Singh,

Sec. U.P.H.E.S.C., Allahabad

Dr. Jai Veer Singh,

H.O.D, Hindi, R.M.P.P.G., College, Sitapur

Dr. Krishna Kanti Dixit,

Dept. of Hindi, D.A-V. College, Kanpur

Dr. Mahesh Diwakar,

President, Akhil Bhartiya Sahitya Kala Manch, Mooradabad

Dr. Gayatri Singh,

HOD., Hindi, Armapore Degree College, Kanpur

Dr. Hardeep Singh Negi,

H.O.D. Hindi, S.C.D. Govt. P.G. College, Ludhiyana

Dr. Kusum Singh,

Dept. of Humanities, M.G.C.G. Vishwavidyalaya, Chitrakot, Satna

Dr. Jacob Kurion,

Professor of In ternational Economics at the Johns Hopkins University Center for Advanced International Relations (SAIS) in Nanjing, China.

PATRON

Dr. Nagendra Swaroop,

D. Litt., Secretary, Board of Management, Dayanand Shiksha Sansthan, Kanpur

Prof. Ram Achal Singh,

Ex. V.C., R.M.L.A. Univ., Faizabad, Ex. Chairman, UPHESC, Allahabad

Prof. Narendra Kohali,

Eminent Hindi Writer, Delhi

Prof. Achutanand Mishra,

Ex. V.C., M.L.C.Patakarita Vishwavidyalaya, Bhopal

Prof. Gyanendra Singh,

Ex.V.C., M.G.C.G. Vishwavidyalaya, Chitrakoot, Satana

Prof. K.B. Pandey,

V.C., M.G.C.G. Vi`shwavidyalaya, Chitrakoot, Satana, Ex. Chairman, UPPSC, Allahabad, Ex. V.C., C.S.J.M. Univ., Kanpur

Prof. A.D.N. Bajpai,

V.C., Himchal Univarsity, Shimla

Sri. Suresh Chandra Shukla,

Editor, 'Spial', Norway

Prof. Adya Prasad Pandey,

V.C., Manipur Univarsity Manipur

Prof. Rajaram Yadav,

V.C., V.B.S. Purvanchal Univarsity, Jaunpur

Prof. Sadanand Prasad Gupt

Addhyaksh, U.P. Hindi Sansthan, Lucknow

Prof. Surendra Dubey,

V.C., Bundelkhand Univarsity, Jhanshi

Prof. R.S. Dubey,

V.C., Tilka Majhi Bhagalpur Univarsity, Bhagalpur

Prof. Nand Kishore Pandey,

Director, Kendriy Hindi Santhan, Agra

Prof. Shushma Yadav,

Pro. V.C., IGNOU, New Delhi

Dr. Rajneesh Shukla,

Member Secretary, Indian Counsil For Philosophical Research, New Delhi.

Dr. Raj Narayan Shukla,

Addhyaksh, U.P. Bhasha Sansthan, Lucknow

Prof. Bhagwat Singh,

Ex. Principal, Hari Ram Degree College, Mairwa, Chhapara

LEGAL CELL:

Manish Goyal,

Additional Advocate General,

UP Allahabad

Sanjai Kumar Bisen,

Advocate-on-Record, Supreme Court, New Delhi

Ratneswar Pandey,

Advocate, H.C., New Delhi

PUBLICATION OFFICE-IN-CHARGE

Suraj Singh,

New Delhi

Ashish Kumar

Editorial staff

शोधाः संचयन

Vol. 8, Issue 1, 15 January, 2017

अनुक्रम

पृष्ट

Higher Education: Hi Re Education	Woman Bonding and Self-Realization:
Dr A K Singh08	Toni Morrison's God Help the Child
शिक्षा- विषयक चिन्तन में श्रीमाँ (मिर्रा अल्फासा) का	Aprajita Shukla48
योगदान	A Comparative Essay On A Testimony By
डॉ मधुरिमा सिंह10	Sugunamma And Jhansi Ki Rani By Subhadra
बोक्सा जनजातिः बदलता समाज एंव बदलती परमपराएं	Kumari Chauhan
डॉ0 सुनील दत्त खडूड़ी14	SUGANDHA SINGH PARMAR51
Indian Life, Culture And Sensibilities: Reading	बीसवीं सदी के हिन्दी महिला कथा-साहित्य में नारी का
Of A.k. Ramanujan's Poetry	पारिवारिक परिवेश
Kaumudi Singh18	अर्चना सिन्हा55
पहाड़ी कोरवा जनजाति में शिक्षा एवं शिक्षण की समस्याएँ	पर्यटन उद्योग में सोशल मीडिया की भूमिका : एक विवेचन
(छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के संदर्भ में)	सविता शर्मा
इरशाद खान	कबीर-काव्य की सामाजिक प्रासंगिकता
हिंदी बाल कविताओं में पर्यावरण चेतना	डॉ. संगीता लाल62
डॉ0 प्रभा पंत27	त्रिलोचन शास्त्री की कहानियाँ : देशकाल की अन्तर्वस्तु का
भारत में समाजवाद की समकालीन प्रासंगिकता	विवेचन
डॉ० नीलम चौरे30	अर्जुन शर्मा65
सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) ग्रामीण महिला	हास्य व्यंग्य के कुशल चितेरे 'अशोक चक्रधर'
सशक्तीकरण के संदर्भ में	डॉ० मनीषा गुप्ता70
चंचल रानी	A.K. Ramanujan– As an Expatriate and Nostalgia
छायावादी कवि सुमित्रानन्दन पंत के काव्य में प्रकृति	Dr. Simmi Agarwal73
चित्रणः एक समीक्षात्मक अध्ययन	चुनाव में बढ़ते धनबल के दुष्प्रभाव को रोकने में निर्वाचन
जयन्त कुमार बोरो	आयोग की भूमिका
	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह 76

An honest warning to research contributors

The writing of research papers is a very common phenomenon in the academic world. But now-a-days this is done without giving due care to the norms and ethics accepted for writing research papers. Even a small mistake spoils the reputation of the concerned person. We come across several stories of the violation of accepted norms. With the help of Electronic Editing, it is very common to cut ,copy and paste in Research article / thesis formation without giving a reference of the original work. We should always keep in mind that it is not a fare practice. While reviewing, sometimes we come across such malpractices. Such stories suggest that research scholars must be very honest and sincere in their work and must give proper attribution in case they quote any content from any original work.

Editor

Key-points which you have to keep in mind

Your research article is no doubt relevant and important. But we are need of your help.

Please review your article according to our specified format and send it.

There are certain key-points which you have to keep in mind-

- *Article must have any research problem.
- **Title of the research article should reflect research problem.
- *** Research Abstract about research work should be presented in max. 100 words.
- **** Abstract:- Abstract of the paper/Articles must be concise, clear and perfect in itself and should not be the repetition of paragraphs from given research papers.

शोध सारांश:-

अनुसंधाता द्वारा अपने शोध पत्र/शोध आलेख का सारांश अधिकतम 100 शब्दों में दिया जाना अपेक्षित है। आलेख सार बनाते समय इस बात को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है कि वह अपने आप में संक्षिप्त, स्पष्ट एवं पूर्ण हो तथा मूल शोध आलेख के अनुच्छेदों की पुनरावृत्ति न हो।

* Approx. 5 keywords for online searching the article Key Words:-

Keywords of research paper/article must be given at the beginning of the paper. It should not to be in more than 5 words.

विषय संकेत :-

शोध पत्र के विषय का सम्पूर्ण परिचय प्रस्तुत करने वाले कुछ शब्दों को अवश्य दें, जिससे आपके आलेख को इन्टरनेट पर सहजता से खोजा जा सके।

*References should be proper, relevant and abundant.

References must be in end-note style as given bellow-

Author's name, Book's name, Publisher, Place, Year, Page no.

